



१२/१२/९२  
१२/१२/९२

# आरत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

लं. 453]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 9, 1991/अग्रहायण 18, 1913

No. 453] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 9, 1991/AGRAHAYANA 18, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी आती है जिससे कि यह असाधारण खंड के रूप में रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

उच्चोग मंत्रालय  
(प्रीदीगिक विकास विभाग)  
अधिगूचना

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1991

सा. का. नि. 729 (अ) :—व्यापार और पर्यावरण वस्तु चिह्नन नियम, 1959 का और संशोधन करने के लिए कलिप्य नियमों का एक प्रारूप, व्यापार और पर्यावरण वस्तु चिह्नन अधिनियम, 1958 (1958 का 43) की धारा 133 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार, भारत सरकार के उच्चोग मंत्रालय, प्रीदीगिक विकास विभाग की अधिसूचना म. मा. का. नि. 356 तारीख 3 जून, 1991 के अधीन, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 15 जून, 1991 के पृष्ठ 1294 से 1298 पर प्रकाशित किया गया था;

राजपत्र में प्रकाशित उक्त अधिसूचना की प्रतियाँ 19 जून, 1991 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं,

उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में जनता से प्राप्त आशेषों/सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर निया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, व्यापार और पर्यावरण वस्तु चिह्न अधिनियम, 1958 (1958 का 43) की धारा 133 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा व्यापार और पर्यावरण वस्तु चिह्नन नियम 1959 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनायी है अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का मंधिल नाम व्यापार और पर्यावरण वस्तु चिह्नन (संशोधन) नियम, 1991 है।

(2) वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. व्यापार और पर्यावरण वस्तु चिह्नन नियम 1959 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात उक्त नियम कहा गया है) के नियम 98 के उपनियम (3) में “या उसके अपने देश में पते” शब्दों का लोप किया जाएगा।

3. उक्त नियमों के नियम 113 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा।

अर्थात् :—

“113. नियम 112 का अपवाद नियम 112 में किसी थात के होने हुए भी, प्रथम अनुसूची की प्रविटि 7, 9 और 10 के अधीन विनियोग कीस और कार्यवाहियों में प्रयुक्त शपथपत्रों के लिए प्रयुक्त और उस पर चिपकाए गए सभी स्टाम्पों की बाबत खर्च परिणाम के अनुमार दिए जाएंगे।”

4. उक्त नियमों के नियम 146 में “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के स्थान पर “व्यापार चिह्न रजिस्ट्रार” शब्द रखे जाएंगे।

5. उक्त नियमों के नियम 148 में छंड (ii) के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखा जाएगा, प्रथमतः :—

“(ii) 21 वर्ष से कम की आयु का न हो;

6. उक्त नियमों के नियम 152 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, प्रथमतः :—

“152 आवेदन पर प्रक्रिया और अर्द्धक आपेक्षाएँ”—

(1) व्यापार चिह्न रजिस्ट्रिकरण के रूप में किसी व्यक्ति के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर रजिस्ट्रार, यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि प्रावेदक विहिन अर्थात् को पूरा करता है, सम्पूर्ण अनुक्रम में एक तारीख नियन्त करेगा जिसको अध्यर्थी व्यापार चिह्न विधि और प्रश्न में लिखित परीक्षा के लिए और उसके परवान साक्षात्कार के लिए उसके समझ उपस्थित होगा। अध्यर्थी से हस्त अधिनियम और नियमों के उपबंधों की विस्तृत जानकारी व्यापार चिह्न विधि के नियमों का ज्ञान रखने की आवश्यकता जाएगी।

(2) लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिए अर्द्धक रकमः 40 प्रतिशत और 60 प्रतिशत होंगे और किसी अध्यर्थी को परीक्षा में केवल तभी उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा जब वह कुल रकमों का 50 प्रतिशत प्राप्त करता है।”

7. उक्त नियमों के नियम 153 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, प्रथमतः :—

“153 रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्रः— किसी अध्यर्थी के साक्षात्कार और किसी और जानकारी के भी उसके आवेदन में दो गई हैं जेने के परवान जिसे रजिस्ट्रार ग्रावर्ड भर्मने और यदि रजिस्ट्रार आवेदक को व्यापार चिह्न रजिस्ट्रिकरण के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए पात्र और अर्द्धता प्राप्त समझता है तो वह इस आवश्यकी की सूचना आवेदक को भेजेगा और कोई ऐसा व्यक्ति जिसकी गैरी सूचना थी जाती है,

व्यापार चिह्न रजिस्ट्रिकरण के रूप में उसके रजिस्ट्रीकरण के लिए विहिन फीस का संदर्भ बताएंगे। विहिन फीस की प्राप्ति पर रजिस्ट्रार आवेदक के नाम की व्यापार चिह्न रजिस्ट्रिकरण में प्रविष्ट करवाएगा और ग्रावर्ड ए-4 में व्यापार चिह्न रजिस्ट्रिकरण के रूप में उसके रजिस्ट्रीकरण का उमेर एक प्रमाणपत्र जारी करेगा।”

8. उक्त नियमों के नियम 155 में “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के स्थान पर गहरी गहरी वे ग्राहक हैं “रजिस्ट्रार” शब्द रखा जाएगा।

9. नियम 155 के उत्तरान्तर (2) में छंड (v) के परवान निम्नलिखित छंड अन्तःस्थापित किया जाएगा, प्रथमतः :—

(g) जिसका नाम रजिस्टर में किसी गलती से या दुष्प्रवेशन या तात्पुरता के दबाए जाने के कारण प्रविष्ट कर दिया गया है।

10. उक्त नियमों के नियम 155 के परवान निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, प्रथमतः :—

“155 क. कविष्य अभिकर्ताओं से संबंधित करने में इनहार करने की रजिस्ट्रार की गतिं (1) रजिस्ट्रार निम्नलिखित को मान्यता देने से इनकार कर सकेगा।

(क) कोई ऐसा व्यक्ति जिसका नाम रजिस्टर से हटा दिया गया है और रजिस्टर में प्रत्यावर्तित नहीं किया गया है;

(ख) कोई ऐसा व्यक्ति जो व्यापार चिह्न रजिस्ट्रिकरण के रूप में रजिस्ट्रिकरण नहीं है और रजिस्ट्रार की रात में किसी ऐसे व्यक्ति के नाम से या उसके कार्यवे के लिए जिसने उसे नियोजित किया है भावन में या भारत में या कश्ती और व्यापार चिह्न के लिए आवेदन करने में अभिकर्ता के रूप में पूर्णतः या मुख्यपूर्ण नहीं है;

(ग) कोई ऐसी कंपनी या कर्म यदि कोई व्यक्ति जिसे रजिस्ट्रार इन नियमों के प्रधीन किसी कारबार की बाबत अधिकारी के रूप में मान्यता देने से इनकार कर सकता है, कंपनी के नियेश या प्रबंधक के रूप में कार्य कर रहा है या कर्म का एक भागीदार है।

(2). रजिस्ट्रार किसी ऐसे व्यक्ति को भी जो न तो भारत में निवास करता है और न हो भारत में उसके कारबार का कोई स्थान है इस नियम के प्रधीन किसी कारबार की बाबत अधिकारी के रूप में मान्यता देने से इनकार करेगा।”

11. उक्त नियमों के नियम 156 में “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के स्थान पर “रजिस्ट्रार” शब्द रखा जाएगा।

12. उक्त नियमों के नियम 157 के उत्तरान्तर (1) में “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के स्थान पर “रजिस्ट्रार” शब्द रखा जाएगा।

13. उक्त नियमों के नियम 158 में “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के स्थान पर “रजिस्ट्रार” शब्द रखा जाएगा।

14. उक्त नियमों के नियम 158 के परवान निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा। प्रथमतः :—

“158क. अप्रील—इन नियमों के भाग 4 के प्रधीन व्यापार चिह्न रजिस्ट्रिकरण की बाबत रजिस्ट्रार के किसी आदेश या विनियोग की अपील केन्द्रीय सरकार को की जाएगी और केन्द्रीय सरकार का विनियोग अंतिम और आवश्यकता होगा।”

15. उक्त नियमों की प्रथम अनुसूची में—

(क) प्रविष्टि 1 के सामने संबंध 3 में “200.00” रकमों के स्थान पर “300.00” रकम रखे जाएंगे;

(ख) प्रविष्टि 5 के सामने संबंध 3 में “250.00” रकमों के स्थान पर “500.00” रकम रखे जाएंगे;

(ग) प्रविष्टि 9 के सामने संबंध 3 में “30.00” रकमों के स्थान पर “50.00” रकम रखे जाएंगे;

(घ) प्रविष्टि 15 के सामने संबंध 3 में “200.00” रकमों के स्थान पर “300.00” रकम रखे जाएंगे;

(ङ) प्रविष्टि 16 के सामने संबंध 3 में “200.00” रकमों के स्थान पर “300.00” रकम रखे जाएंगे;

(च) प्रविष्टि 17 के सामने संबंध 3 में “200.00” रकमों के स्थान पर “300.00” रकम रखे जाएंगे;

(छ) प्रविष्टि 18 के सामने संबंध 3 में “100.00 (धन ऊपर 15, 16 और 17 में से किसी प्रविष्टि में यथाविहृत नवीकरण फीस)” रकमों कोष्ठों और शब्दों के स्थान पर “200.00 (धन ऊपर 15, 16, और 17 में से किसी प्रविष्टि में यथा विहृत नवीकरण फीस)” रकम, कोष्ठक और शब्द रखें जाएंगे;

(ज) प्रविष्टि 27 के सामने संबंध 3 में “250.00” रकमों के स्थान पर “500.00” रकम रखे जाएंगे;

(झ) प्रविष्टि 35 के सामने संबंध 2 में “किसी कानूनी अपेक्षा” शब्दों के स्थान पर “भारत में विभिन्न के अनुमार किसी कानूनी अपेक्षा” शब्द रखे जाएंगे;

(ঝ) প্রবিষ্টি 53 কে সামনে সংবंধ 3 মে “20.00” রকমো কে স্থান পর “50.00” রকম রখে জাএংগে;

(ঝ) প্রবিষ্টি 54 কে সামনে সংবণ্ধ 3 মে “100.00” রকমো কে স্থান পর 200.00 রকম রখে জাএংগে;

(ঝ) প্রবিষ্টি 55 কে সামনে সংবণ্ধ 3 মে “50.00” রকমো কে স্থান পর “200.00” রকম রখে জাএংগে;

(द) प्रविधि में, 57 के संबंध 2 और 3 के नीचे की मर्दों के स्थान पर निम्ननिवित्रि मद्दें रखी जाएंगी अर्थात् ।—  
“धारा 125 (1) में वर्णित दस्तावेजों का निरोक्षण करने के लिए

(क) हर घटें या उसके भाग के लिए किसी विशेष 50.00 रुपयापार चिह्न की याचन ।

(ख) हर घटें या उसके भाग के लिए धारा 124 में वर्णित अनुक्रमणिकाओं की योग 50.00 रु.”

16. उपर नियमों का डिसीय अनुसूची में—  
(क) प्रलेप ध्या. चि. 1 में “200” अंकों के स्थान पर “300” अंक रखे जाएंगे ।  
(ख) प्रलेप ध्या. चि. 4 में “250” अंकों के स्थान पर “500” अंक रखे जाएंगे ;  
(ग) प्रलेप ध्या. चि. 6 में “30” अंकों के स्थान पर “50” अंक रखे जाएंगे ;  
(घ) प्रलेप ध्या. चि. 13 में “100” अंकों के स्थान पर “500” अंक रखे जाएंगे ;  
(ङ) प्रलेप ध्या. चि. 26 में, “250” अंकों के स्थान पर “500” अंक रखे जाएंगे ;  
(च) प्रलेप ध्या. चि. 33 में पाद-टिप्पण में “कानूनी अधिकारी” शब्दों के स्थान पर “भारत में विशिष्ट के अनुसार कानूनी अवैधता” शब्द रखे जाएंगे ;  
(छ) प्रलेप ध्या. चि. 34 में पाद-टिप्पण में “नोक प्राधि कारी” शब्दों के स्थान पर “भारत में नोक प्राधिकारी” शब्द रखे जाएंगे ;  
(ज) प्रलेप ध्या. चि. 56 में “20” अंकों के स्थान पर “50” अंक रखे जाएंगे ;  
(झ) प्रलेप ध्या. चि. 57 में “100” अंकों के स्थान पर “200” अंक रखे जाएंगे ;  
(ञ) प्रलेप ध्या. चि. क-३ में “केन्द्रीय सरकार, मार्किंग व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रार शब्दों के स्थान पर — “भारत चिन्ह रजिस्ट्रार शब्द” ले जाएंगे ;  
(ट) प्रलेप ध्या. चि. क-३-३ में केन्द्रीय सरकार, मार्किंग व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रार शब्दों के स्थान पर — “भारत चिन्ह रजिस्ट्रार” शब्द, रखे जाएंगे ;  
(ठ) प्रलेप ध्या. चि. 4, में—  
(क) शीर्षक में, “व्यापार और उद्योग मंत्रालय” “शब्दों के स्थान पर “भारत चिह्न रजिस्ट्री” शब्द, रखे जाएंगे ;  
(ख) “प्रबर संचिय, भारत सरकार, व्यापिक और उद्योग मंत्रालय” शब्दों के स्थान पर “भारत चिन्ह रजिस्ट्रार” शब्द रखे जाएंगे ।

[फा. सं. 14/9/89 — पी.पी. एंड सी.]  
पान. आर. छुट्टेन, अपर मन्त्रिव

फुट नोट:— मूल प्रथिसूचना का. धा. 2603, तारीख 25-11-59 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित की गई थी तथा उसका निम्नलिखित भाग मनोधर्म किया गया:

1. का. धा. सं. 534 तारीख 25-2-1963
2. का. धा. सं. 397 तारीख 23-1-1969
3. का. धा. सं. 5789 तारीख 9-11-1971
4. का. धा. ग. 171(अ) तारीख 1-3-1985
5. का. धा. नि. 287 तारीख 20-4-1990

**MINISTRY OF INDUSTRY**  
**(Department of Industrial Development)**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 9th December, 1991

! G.S.R. 729(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Trade and Merchandise Marks Rules, 1959 were published as required by sub-section (1) of section 133 of the Trade and Merchandise Marks Act, 1958 (43 of 1958) at pages 1294 to 1298 of the Gazette of India Part-II, section-3, sub-section (i) dated the 15th June, 1991 under notification of the Government of India in the Ministry of Industry, Department of Industrial Development No. G.S.R. 356, dated the 3rd June, 1991;

And whereas copies of the said notification as published in the Official Gazette were made available to the public on 19th June, 1991;

And whereas the objections/suggestions received in respect of the said draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 133 of the Trade and Merchandise Marks Act, 1958 (43 of 1958) the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Trade and Merchandise Marks Rules, 1959, namely :—

1. (1) These rules may be called the Trade and Merchandise Marks (Amendment) Rules, 1991.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Trade and Merchandise Marks Rules, 1959 (hereinafter referred to as “the said rules”), in sub-rule (3) of rule 9<sup>o</sup> the words “or whose address in his home country” shall be omitted.

3. For rule 113 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely:—

“113. Exception to rule 112.—Notwithstanding anything in rule 112, costs in respect of fees specified under entries 7, 9 and 10 of the First Schedule and of all stamps used on and affixed to affidavits used in the proceedings shall follow the event.”

4. In rule 146 of the said rules, for the words “the Central Government” the words “the Registrar of Trade Marks” shall be substituted.

5. In rule 148 of the said rules, for clause (ii), the following clause shall be substituted namely :—

“(ii) is not less than 21 years of age.”

6. For rule 152 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“152. Procedure on application and qualifying requirements.—(1) On receipt of an application for the registration of a person as a

trade marks agent, the Register, if satisfied that the applicant fulfills the prescribed qualifications, shall appoint a date in due course on which the candidate will appear before him for a written examination in Trade Marks Law and practice followed by an interview. The candidate will be expected to possess a detailed knowledge of the provisions of the Act and the rules and a knowledge of the elements of Trade Marks Law.

(2) The qualifying marks for the written examination and for interview shall be 40 per cent and 60 per cent respectively and a candidate shall be declared to have passed the examination only if he obtains an aggregate of 50 per cent of the total marks.”.

7. For rule 153 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“153. Certificate of registration—After a candidate has been interviewed and any further information bearing on his application, which the Registrar may consider necessary has been obtained and if the Registrar considers the applicant eligible and qualified for registration as a Trade Marks Agent, he shall send an intimation to that effect to the applicant and any person so intimated may pay the prescribed fee for his registration as a Trade Marks Agent. Upon receipt of the prescribed fee the Registrar shall cause the applicant's name to be entered in the Register of Trade Marks Agents and shall issue to him a certificate on form O-4 of his registration as a Trade Marks Agent.”.

8. In rule 155 of the said rules, for the words “the Central Government”, wherever they occur, the words “the Registrar” shall be substituted.

9. In sub-rule (2) of rule 155 of the said rules, after clause (b) the following clause shall be inserted namely :—

“(c) whose name has been entered in the register by an error or on account of misrepresentation or suppression of material fact.”.

10. After rule 155 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

“155A. Power of Registrar to refuse to deal with certain agents—(1) The Registrar may refuse to recognise—

- (a) any individual whose name has been removed from, and not restored to the registrar ;
- (b) any person, not being registered as a Trade Marks Agent, who in the opinion of the Registrar is engaged wholly or mainly in acting as agent in applying for trade marks in India or elsewhere in the name or for the benefit of the person by whom he is employed ;

(c) any company or firm, if any person whom the Registrar could refuse to recognise as agent in respect of any business under those rules, is acting as a director or manager of the company or is a partner in the firm.

(2) The Registrar shall also refuse to recognise as agent in respect of any business under this rule any person who neither resides nor has a place of business in India.”.

11. In rule 156 of the said rules, for the words “the Central Government”, the words “the Registrar” shall be substituted.

12. In sub-rule (1) of rule 157 of the said rules, for the words “the Central Government”, the words “the Registrar” shall be substituted.

13. In rule 158 of the said rules, for the words “the Central Government”, the words “the Registrar” shall be substituted.

14. After rule 158 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

“158A Appears—An appeal shall lie to the Central Government from any order or decision of the Registrar in regard to registration of Trade Marks Agents under Part IV of these rules, and the decision of the Central Government shall be final and binding.”.

15. In the First Schedule to the said rules—

- (a) in column 3 against entry 1, for the figures “200.00”, the figures “300.00” shall be substituted;
- (b) in column 3 against entry 5 for the figures “250.00”, the figures “500.00” shall be substituted;
- (c) in column 3 against entry 9 for the figures “30.00”, the figures “50.00” shall be substituted ;
- (d) in column 3 against entry 15 for the figures “200.00”, the figures “300.00” shall be substituted;
- (e) in column 3 against entry 16 for the figures “200.00”, the figures “300.00” shall be substituted;
- (f) in column 3 against entry 17, for the figures “200.00”, the figures “300.00” shall be substituted ;
- (g) in column 3 against entry 18 for the figures, brackets and words “100.00 (plus renewal fee as prescribed in any of the entries Nos. 15, 16 and 17.)” the figures, brackets and words “200.00 (plus renewal fee as prescribed in any of the entries Nos. 15, 16 and 17)” shall be substituted ;

- (h) in column 3 against entry 27, for the figures "250.00" the figures "500.00" shall be substituted;
- (i) in column 2 against entry 35, after the words "statutory requirement" the words "as per law in India" shall be added;
- (j) in column 3 against entry 53, for the figures "20.00" the figures "50.00" shall be substituted;
- (k) in column 3 against entry 54, for the figures "100.00" the figures "200.00" shall be substituted;
- (l) in column 3 against entry 55, for the figures "50.00", the figures "200.00" shall be substituted;
- (m) For items under columns (2) and (3) of entry No. 57, the following items shall be substituted, namely :—

"For inspecting the documents mentioned in section 125(1)—

- (a) relating to any particular trade mark for every hour or part thereof Rs. 50.00;
- (b) search of indexes mentioned in section 124 for every hour or part thereof Rs. 50.00".

**16. In the second Schedule to the said rules.—**

- (a) in form TM-1, for the figures "200.00", the figures "300.00" shall be substituted;
- (b) in Form TM-4, for the figures "250.00", the figures "500" shall be substituted;
- (c) in Form TM-6, for the figures "30", the figures "50" shall be substituted;
- (d) in Form TM-13 for the figures "100", the figures "200" shall be substituted;
- (e) in Form TM-26, for the figures "250", the figures "500" shall be substituted;
- (f) in Form TM-33, in the foot note after the words "statutory requirement", the words "as per law in India" shall be added;

- (g) in Form TM-34, in the foot note after the words "public authority" the words "in India" shall be added;
- (h) in Form TM-56, for the figures "20", the figures "50" shall be substituted;
- (i) in Form TM-57, for the figures "100", the figures "200" shall be substituted;
- (j) in Form TM-A-2, for the words "the Central Government, through the Registrar of Trade Marks", the words "Registrar of Trade Marks" shall be substituted;
- (k) in Form TM-A-3, for the words the "Central Government, through the Registrar of Trade Marks", the words "Registrar of Trade Marks" shall be substituted;
- (l) in Form O-4,—
- (a) in the title, for the words "Ministry of Commerce and Industry" the words "Trade Marks Registry" shall be substituted;
- (b) for the words "Under Secretary to the Government of India, Ministry of Commerce and Industry", the words "Registrar of Trade Marks" shall be substituted.

[F. No. 14(9)|89-PP&C]

N. R. KRISHNAN, Addl. Secy.

**Foot Note**—The Principal rules were published in the Gazette of India vide S.O. No. 2603 dated the 25th November, 1959 and subsequently amended by :—

1. S.O. No. 534 dated the 25th February, 1963.
2. S.O. No. 397 dated the 23rd January, 1959.
3. S.O. No. 5789 dated the 9th November, 1971.
4. S.O. No. 171-E dated the 1st March, 1985.
5. G.S.R. No. 287 dated the 20th April, 1990.

